होली की शुभकामनाएं

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 4 मार्च 2026

वर्ष -13, अंक-09, पेज- 8, मूल्य 2 रूपए

जुड़िए हमसे... @risingindore.news www.risingindore.com और +91-731-4032200 पर

Inside
page 02

युद्ध का भारत पर पड़ेगा बड़ा असर

पेट्रोल-डीजल के साथ ही खाने की वस्तुओं के दाम भी बढ़ जाएंगे

बेलगाम महंगाई को संभालना हो जाएगा मुश्किल

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

अमेरिका ईरान और अन्य देशों के बीच शुरू हुए युद्ध का भारत पर बड़ा और व्यापक असर पड़ेगा। इसके परिणाम स्वरुप भारत में पेट्रोल डीजल गैस के दम तो बढ़ेंगे ही सही इसके साथ ही साथ खाने पीने की वस्तुओं के दाम भी उछल जाएंगे। देश में महंगाई का ऐसा तड़का लगेगा की हालत को संभालने में भारत सरकार को बहुत ज्यादा मेहनत करना पड़ेगी।

ईरान युद्ध के गहराने से भारतीय निर्यात पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सैकड़ों की संख्या में पोर्ट पर कंटेनर फंसे हुए हैं और ताजा माल की डिलीवरी रुक गई है। अरब सागर में उथल-पुथल से निर्यात की इंश्योरेंस लागत बढ़ गई है। यूरोप व अमेरिका माल भेजने के लिए अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की जगह केप ऑफ गुड होप वाले रूट का इस्तेमाल करना होगा जिससे माल पहुंचने में 20-25 अधिक दिन लगेंगे।

ईद की वजह से खाड़ी के देशों के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी की उम्मीद थी जिस पर पानी फिरता दिख रहा है। पश्चिम एशिया और खाड़ी के देश भारतीय चावल के बड़े आयातक है। लगभग 15 प्रतिशत प्याज का निर्यात भी पश्चिमी एशिया में होता है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने बताया कि निर्यातक उन माल को लेकर ज्यादा चिंतित है जो रास्ते में है। जो माल पोर्ट पर है, उन्हें भी वापस नहीं मंगाया जा सकता है क्योंकि एक तो ढुलाई खर्च भी लगेगा और उसे रखने के लिए जगह भी नहीं होती है। उन्होंने बताया कि अभी रमजान का महीना चल रहा है और ईद के लिए खाड़ी देश बड़ी मात्रा में भारत से खाद्य पदार्थों का आयात करते हैं जो अब प्रभावित हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि जवाहरलाल नेहरू पोर्ट पर फल-सब्जी जैसे जल्दी नष्ट होने वाले आइटम के 300 कंटेनर फंसे हुए हैं। बताया जा रहा है कि मुंद्रा पोर्ट पर 1000 से अधिक कंटेनर फंसे हुए हैं। निर्यातकों ने बताया कि खाद्य आइटम को अधिक दिनों तक नहीं रखा जा सकता है। अगर अगले सप्ताह-दस दिन तक युद्ध चलता रहा तो उन्हें निश्चित रूप से भारी नुकसान हो जाएगा।

दाल की कीमत भी हो सकती है प्रभावित

ऑल इंडिया दाल मिलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन सुरेश अग्रवाल ने बताया कि युद्ध लंबा चला तो मसूर दाल की कीमत बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि भारत जिंबॉब्वे, कीनिया और म्यांमार से मुख्य रूप से तुअर दाल का आयात करता है और इन देशों से श्रीलंका के रूट से माल आता है। इसलिए उसमें कोई दिक्कत नहीं है।

कनाडा से भारत मुख्य रूप मटर का आयात करता है, लेकिन उसका आयात पहले ही बहुत हो चुका है और देश में पर्याप्त स्टॉक है। लेकिन मसूर दाल और चना का आयात भारत ऑस्ट्रेलिया से करता है जो अरब सागर के रूट से होता है। इसलिए युद्ध लंबा चला तो मसूर दाल की कीमत बढ़ सकती है।

10 से 15 रु बढ़ जाएंगे भाव

ऐसा माना जा रहा है की खाड़ी देशों में पैदा हुए संकट और फिर कच्चा पेट्रोल अमेरिका के कहने पर उसके द्वारा चाही गए स्थान से खरीदने के कारण उसकी लागत भी बढ़ जाएगी। ऐसी स्थिति में भारत के बाजार में पेट्रोल की कीमत में 10 से 15 रु. तक का उछाल आ सकता है। यदि पेट्रोल की कीमत इस तरह से बड़ी तो उसका असर पूरे बाजार पर पड़ेगा। सभी वस्तुओं की ट्रांसपोर्टेशन की लागत बढ़ जाएगी। इस लागत के बढ़ जाने के कारण लोगों को ऊंची कीमत पर सामान खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। भारत सरकार और अर्थ विशेषज्ञ भी इस स्थिति को समझ रहे हैं। ऐसे में सरकार की ओर से भी हालत को संभालने के लिए कोशिश की जा रही है।

रंगों के त्यौहार होली की सभी सुधी पाठकों और विज्ञापनदाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।
- संपादक

निवेश की संभावना तलाश रहे थे दुबई में... और अटक गए...

इंदौर के प्रमुख व्यापारियों और पूर्व विधायकों का एक दल दुबई में एक विवाह समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। सैन्य तनाव के कारण हवाई सेवाएं बाधित होने से फिलहाल ये सभी सदस्य वहां रुके हुए हैं।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

अमेरिका और ईरान के मध्य छिड़े सैन्य संघर्ष के बीच दुबई में बड़ी संख्या में इंदौर के नागरिक फंसे हुए हैं। इंदौर के कई व्यापारी और नेता हाल ही में दुबई में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। इसके साथ वे वहां पर निवेश की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। गौरतलब है कि इंदौर के व्यापारियों के दुबई में बड़े स्तर पर निवेश हैं।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए इंदौर के व्यापारी पिंटू छाबड़ा के साथ पूर्व विधायक संजय शुक्ला, पूर्व विधायक विशाल पटेल, प्रवीण कक्कड़, मनीष शाहरा, गोलू पाटनी और संजय अग्रवाल भी दुबई पहुंचे हैं। पिंटू छाबड़ा के बेटी रिया छाबड़ा ने बताया कि पिता पिंटू छाबड़ा के साथ उनके कई मित्र वहां पर परिवार की एक शादी में शामिल होने के लिए गए हैं। हमारे ग्रुप के इंदौर समेत कई जगह होटल और मॉल संचालित किए जाते हैं। दुबई में भी हम निवेश की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

पर्यटन और व्यापार का केंद्र

दुबई में भारतीय समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले अजय कासलीवाल ने बताया कि दुबई निवेश के लिए हमेशा से ही बेहतर विकल्प रहा है। अजय कासलीवाल इंदौर के रहने वाले हैं और पिछले कुछ वर्षों से दुबई में ही रह रहे हैं। वे भारतीय समुदाय के समूहों के साथ वहां पर कई अन्य प्रोफेशनल नेटवर्क में खासे सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल में दुबई दुनियाभर के लिए पर्यटन और व्यापार के मुख्य केंद्र के रूप में उभरा है। इस वजह से वहां पर तेजी से निवेश बढ़ रहा है और निवेशकों को उसके बेहतर रिटर्न भी मिल रहे हैं।

वापस लौटने में लगेंगे दो से तीन दिन

इंदौर से दुबई गए व्यापारियों और नेताओं के परिजन ने बताया कि वापस लौटने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। अभी हवाई उड़ानें पूरी तरह से निरस्त कर दी गई हैं। सभी वहां पर पूरी तरह से सुरक्षित हैं। इंदौर के निवेश सलाहकार पुनीत पांडेय कहते हैं कि अभी जो हालात हैं वह बहुत जल्द सामान्य हो जाएंगे। इन सबके बीच व्यापार और विकास को आगे बढ़ाने के लिए सभी एक साथ काम करेंगे। दुबई भौगोलिक रूप से और कनेक्टिविटी के पैमाने से इस तरह से बना हुआ है कि वहां पर व्यापार सबसे अधिक आता है। वह भारत और अन्य देशों के बीच व्यापार का मुख्य गेट है। इस वजह से वहां पर निवेश करना हमेशा ही फायदा देगा।

दुबई अपडेट

दुबई में फ्लाइट कैंसल होने से फंसे इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल, प्रवीण कक्कड़, मनीष सहारा (सहारा ग्रुप) संजय अग्रवाल (अग्रवाल ग्रुप), पिंटू छाबड़ा (सी 21), गोलू पाटनी सहित अन्य इंदौरी

फेंक न्यूज से परेशान हैं दुबई में फंसे इंदौरी...

इंदौर के जो नागरिक इस समय दुबई में फंसे हुए हैं वह इंदौर और भारत में फैल रही फेंक न्यूज़ से परेशान है। इसके कारण उनके परिजन भी चिंता में पड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में वे लोग बार-बार फोन लगाकर हकीकत जान रहे हैं।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बीच कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं। यहां पर लाखों भारतीय हैं और सभी के परिजन चिंता कर रहे हैं। खाड़ी देशों में फंसे इंदौरियों ने कहा कि युद्ध के समय उन्हें सबसे अधिक परेशानी फेक न्यूज से हो रही है। हर घंटे परिजनों के फोन आ रहे हैं। वे रातभर सोए नहीं हैं और हम भी उनकी वजह से परेशान हो रहे हैं। इस तरह के हालातों में हमें कोई भी गलत जानकारी नहीं भेजना चाहिए। अधिकृत जानकारियों को ही साझा करना चाहिए।

इंदौर के स्टार्टअप मेंटर समीर शर्मा इस

समय दुबई के नजदीक एक जगह पर अपने रिश्तेदार अमिताभ शर्मा के यहां रुके हैं। वे भी एयर कनेक्टिविटी रुक जाने की वजह से यहां पर फंसे हुए हैं। समीर ने कहा कि यहां पर हालात सामान्य हैं। धमाकों की आवाजें आती हैं लेकिन कहीं पर भी किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया है और सिर्फ मलबा ही सड़क या इमारतों पर गिर रहा है। समीर ने कहा कि मुझे लगातार यहां पर फोन आ रहे हैं और इंदौर, भोपाल समेत देश में सभी जगह लोग परेशान हैं। यहां पर प्रशासन ने सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरे इंतजाम कर रखे हैं।

लोग रविवार का आनंद ले रहे

समीर ने कहा कि यहां पर शनिवार और रविवार अवकाश होता है। अधिकतर लोग घरों में ही हैं और अपने परिवारों के साथ में वीकेंड का आनंद ले रहे हैं। यहां पर डर या फिर घबराहट जैसी कोई स्थिति नहीं है लेकिन फेक न्यूज से हम बहुत परेशान हो रहे हैं। भारत से मैसेज आते हैं कि दुबई में बम फट गया तो हम भी डर जाते हैं बाद में पता चलता है कि फर्जी वीडियो है।

लोग रविवार का आनंद ले रहे

यहां के उद्यमी अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि कल से धमाकों की आवाजें जरूरी आ रही हैं लेकिन सड़कों पर लोग बेफिक्र होकर घूम रहे हैं। हम सब सुरक्षित हैं और अपने घरों में हैं। व्यापार प्रभावित होगा या बाद में क्या हालात होंगे इस पर अभी बहुत अधिक कयास लगाना सही नहीं है।

खजराना गणेश मंदिर की दीवारों की चांदी में ला रहे हैं चमक

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह में लगी चांदी की दीवारों की इन दिनों विशेष सफाई कर उनकी चमक बढ़ाई जा रही है। मंदिर प्रबंध समिति ने दीवारों और सिंहासन पर लगी पुरानी चांदी को साफ कराने के साथ अन्य मरम्मत कार्य भी शुरू किए हैं।

खजराना मंदिर के गर्भगृह की चांदी की दीवारों की चमक इन दिनों बढ़ाई जा रही है। गर्भगृह में लगी चांदी की सफाई में बीते कई दिनों से श्रमिक जुटे हुए हैं। उन्हें दूसरे शहरों से

इस काम के लिए बुलाया गया है। चांदी चमकाने के अलावा गर्भगृह की प्लाईवुड को भी बदला जा रहा है।

मंदिर के गर्भगृह की दीवारों के अलावा सिंहासन पर लगी पुरानी चांदी को भी बदला जा रहा है। पुजारी पंडित धर्मेंद्र भट्ट के अनुसार तत्कालीन कलेक्टर आकाश त्रिपाठी ने भक्तों से चांदी दान करने की अपील की थी, जिसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने चांदी के गहनों और सामग्रियों का दान किया था। उसके बाद गर्भगृह और मुख्य द्वार पर चांदी की नक्काशीदार दीवार बनाई गई थी,लेकिन समय के साथ उनमें कालापन आ गया और वह बदरंग दिखने लगी थी। मंदिर प्रबंध समिति ने उन दीवारों को साफ करने का फैसला लिया। इसके बाद पांच श्रमिक गर्भगृह में लगातार उन दीवारों को साफ करते हुए देखे जा सकते हैं।

स्वर्ण मुकुट अभी नहीं बनाएंगे

मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा पर नया स्वर्ण मुकुट बनाने का फैसला भी लिया गया था लेकिन फिलहाल उसे टाल दिया गया है। नए मुकुट में आठ से दस किलो सोना लग लग रहा है। भक्तों द्वारा दिया गया कुछ सोना गौशाला में जमा है लेकिन मुकुट के लिए और भी ज्यादा मात्रा में सोने की आवश्यकता पड़ रही थी। इस कारण अभी मुकुट नहीं बनाया जा रहा है।

भक्त सदन में आने लगे हैं भक्त

खजराना मंदिर में बना भक्त सदन भी बन चुका है। अब उसमें भक्त भी आने लगे है। 20 से ज्यादा कमरे इस सदन में बनाए गए हैं। जिनमें नाम मात्र शुल्क पर भक्तों को कमरा किराए पर दिए जाते हैं। परिसर के पार्किंग क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया जा रहा है।

आदिवासियों को साधने में जुटी मोहन सरकार

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

बड़वानी के नागलवाड़ी में हुई किसान कैबिनेट को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस पहल को आदिवासी वोटरों और 2027-28 के चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य नगरीय निकाय के चुनाव में अधिकतम सफलता प्राप्त करने का है।

बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में हुई प्रदेश की पहली किसान कैबिनेट बैठक को मोहन सरकार का आदिवासी वोटर पर सीधा फोकस माना जा रहा है। 2027 के निकाय चुनाव और 2028 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा सरकार ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय बहुल जिले बड़वानी के नागलवाड़ी में पहली किसान कैबिनेट आयोजित की। यह बैठक भीलट देव मंदिर परिसर में टेंट-तंबू में हुई और मंत्रिमंडल ने आदिवासी संस्कृति के प्रमुख पर्व भगोरिया में भी सहभागिता की। इसने बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कदम किसानों के साथ-साथ आदिवासी वोट बैंक को साधने की रणनीति का हिस्सा है। आदिवासी वर्ग पर परंपरागत रूप से कांग्रेस की मजबूत पकड़ मानी जाती रही है, लेकिन पिछले एक दशक में भाजपा ने इस वर्ग में अपना आधार बढ़ाया है।

अगले वर्ष होने वाले निकाय के चुनाव पर टिकी नजर

प्रदेश की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित हैं। 2023 के चुनाव में भाजपा ने 24 और कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि रतलाम जिले की सैलाना सीट पर भारत आदिवासी पार्टी को सफलता मिली। मालवा-निमाड़ अंचल में आदिवासी वर्ग की 22 सीटें हैं, जहां कांग्रेस ने 11, भाजपा ने 10 और एक भारत आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज की। यह क्षेत्र आदिवासी राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।

84 सीटों पर असर

प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा आदिवासी समुदाय का है। 47 सीटें आरक्षित होने के बावजूद यह वर्ग करीब 80 से अधिक सीटों पर जीत-हार तय करने की स्थिति में माना जाता है।

कांग्रेस ने दिखाई थी मजबूती

2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 30 आदिवासी सीटें जीतकर भाजपा को बड़ा झटका दिया था, जबकि भाजपा 16 सीटों तक सीमित रह गई थी। मालवा-निमाड़ में भी भाजपा को 22 सीटों में से केवल 6 सीटें मिली थीं। वहीं, 2023 में भाजपा ने वापसी करते हुए 24 सीटें जीतीं। हालांकि, इस चुनाव में कांग्रेस 66 सीटों पर सिमट गई, इसके बावजूद उसने आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 22 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, मालवा निमाड़ में दोनों ही पार्टियों ने आधी आधी सीटों पर जीत दर्ज की।

आरक्षित प्रदेश की सीटों का गणित

- 2013 में आरक्षित 47 सीटों में से 31 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। कांग्रेस को 15 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा, वहीं एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीता। वहीं, मालवा निमाण की 22 सीटों में से 15 भाजपा, 6 कांग्रेस और 1 सीट निर्दलीय को मिली।
- 2018 में आरक्षित 47 सीटों में से 16 सीटों पर भाजपा सिमट गई। वहीं, कांग्रेस ने 30 सीटों पर जीत दर्ज की। एक सीट निर्दलीय के खाते में गई। वहीं, मालवा-निर्माण की 22 सीटों में से 6 भाजपा, 15 कांग्रेस और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई।
- 2023 में आरक्षित 47 सीटों में से 24 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। वहीं, कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की। एक सीट पर निर्दलीय के खाते में आई। वहीं, मालवा- निमाड़ की 22 सीटों में से 11 पर कांग्रेस, 10 पर भाजपा और एक सीट पर भारत आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज की।

2027 में सेमीफाइनल और 2028 में फाइनल

बता दें, अगले दो साल मोहन सरकार के लिए अग्नि परीक्षा के हैं, इसलिए अब उसे तमाम वो काम करके दिखाना होंगे, जिनका वादा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किया है। इनमें सबसे बड़ा वादा लाडली बहना योजना में शामिल बहनों को हर माह 3000 रुपये देने का है। अभी इसकी आधी राशि दी जा रही है। अगले तीन साल में इसे दोगुना करना है। यदि भाजपा यह करने में सफल रही तो 2027 के निकाय चुनाव और इसके बाद 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उसकी सत्ता में वापसी की राह कोई नहीं रोक सकेगा।

आदिवासी किसानों को आखिर क्या मिला

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि दो दशक से सत्ता में काबिज भाजपा सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत भोपाल से करीब 350 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में पहली कृषि कैबिनेट की बैठक आयोजित की। दावा किया गया था कि इससे किसानों को सीधा फायदा पहुंचेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजनाए लाई जाएंगी, ताकि आय दोगुनी हो सके। लेकिन बड़वानी और निमाड़ क्षेत्र के किसानों को आखिर क्या मिला?

लवकुश चौराहे पर लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज जून तक होगा पूर्ण

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने तथा आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए लवकुश चौराहे पर निर्माणाधीन लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है।

सोमवार को कलेक्टर शिवम वर्मा तथा इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान वर्मा ने निर्माण एजेंसी से अब तक की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाएं। बताया गया कि लगभग 180 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह लेवल-2 फ्लाईओवर ब्रिज आगामी जून माह तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह फ्लाईओवर सिंहस्थ के दौरान शहर में बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आवागमन को सुगम बनाएगा।

कलेक्टर वर्मा ने निर्माण कार्य के चलते सर्विस लेन की तत्काल मरम्मत और व्यवस्थित करने के लिये संबंधित एजेंसी को निर्देश दिये, ताकि आम नागरिकों को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के साथ-साथ वैकल्पिक यातायात व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

संपादकीय...

विश्व में युद्ध के बीच भारत के हितों की रक्षा जरूरी

इस समय विश्व में कई देशों के बीच युद्ध शुरू हो गया है। बहुत सारे देश एक दूसरे पर गोला बारूद बरसा रहे हैं हमले कर रहे हैं। हर दिन एक नई खबर आ रही है। अलग-अलग देश में लाशों के ढ़ेर लग रहे हैं। इसके साथ ही पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी चरमराती हुई नजर आ रही है। हालात हर दिन खराब होते जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ज्यादा खराब हालत होने की चेतावनी देने में कोई कमी नहीं रख रहे हैं। ऐसे में निश्चित तौर पर अभी निकट का भविष्य

■ गौरव गुप्ता

चुनौतियों से भरा हुआ है। ऐसी स्थिति में भारत के अपने हितों की रक्षा बहुत आवश्यक है। जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो उस समय पर भारत सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। भारत के स्वाभाविक मित्र देश इस समय अमेरिका की सनक के शिकार हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरकार की ओर से अपने देश के हितों की रक्षा के लिए पहल की जाए। कहीं ऐसा ना हो कि इस युद्ध में सहभागी नहीं होने के बावजूद भारत को युद्ध के परिणाम का कड़वा घूट पीना पड़े।

11 वर्ष पुराने सिविल अनुबंध पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज करना उचित नहीं - सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले को पलटते हुए वंदना जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर (FIR) को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि एक ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट (JVA) से उत्पन्न होने वाले विशुद्ध रूप से दीवानी (सिविल) विवाद को आपराधिक अपराध का चोला पहनाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पक्षों के बीच विवाद अनिवार्य रूप से सिविल प्रकृति का था और आरोपों से धोखाधड़ी, अमानत में खयानत (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) या जालसाजी जैसे अपराधों का पता नहीं चलता है

यह मामला 16 अगस्त, 2010 के एक ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट (JVA) से जुड़ा है। अपीलकर्ता (वंदना जैन, सिद्धार्थ जैन और कनिष्क जैन) ने प्रतिवादी नंबर 2, मोटर जनरल सेल्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया था। समझौते के तहत, अपीलकर्ताओं ने कानपुर के आजाद नगर में विकास के लिए जमीन दी, जबकि प्रतिवादी कंपनी को अपने खर्च पर आवासीय इकाइयों का निर्माण करना था। दोनों पक्षों को परियोजना को समान रूप से (50% प्रत्येक) साझा करना था।

समझौते की धारा 5 के अनुसार, प्रतिवादी ने सुरक्षा राशि (सिक्योरिटी मनी) के रूप में रु. 1 करोड़ दिए। हालांकि, परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी। समझौते के ग्यारह साल बाद, मार्च 2021 में, प्रतिवादी ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में आईपीसी की धारा 406, 420, 467, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज कराई।

एफआईआर में आरोप लगाया गया कि अपीलकर्ता कब्जा सौंपने में विफल रहे, उन्होंने किसी इंदिरा देवी कनोडिया के साथ लंबित मुकदमे की जानकारी छिपाई और शिकायतकर्ता को धोखा देने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए। अपीलकर्ताओं ने एफआईआर रद्द कराने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन 30 जुलाई, 2021 को उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

अपीलकर्ताओं ने तर्क दिया कि विवाद पूरी तरह से सिविल था। उन्होंने कहा कि उनके स्वामित्व (टाइटल) का अधिकार 1972 के एक मुकदमे और उसके बाद के डिक्री से स्थापित हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि समझौते (JVA) में ऐसा कोई विशिष्ट आश्वासन नहीं था कि जमीन पूरी तरह से मुकदमेबाजी से मुक्त है, बल्कि केवल यह कहा गया था कि कोई अदालती रोक (Restraint Order) नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एफआईआर 11 साल बाद दर्ज की गई थी, जब सिविल मुकदमा दायर करने की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी थी।

राज्य और शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि

एफआईआर रद्द करने के चरण में, अदालत को केवल एफआईआर में लगाए गए आरोपों को उनके अंकित मूल्य (Face Value) पर देखना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एफआईआर में संज्ञेय अपराधों का खुलासा हुआ है जिनकी जांच की आवश्यकता है और हाईकोर्ट का याचिका खारिज करना सही था।

सुप्रीम कोर्ट ने समझौते की विशिष्ट धाराओं और आरोपों की प्रकृति की बारीकी से जांच की।

धोखाधड़ी और गलत बयानी पर- कोर्ट ने पाया कि समझौते में संपत्ति का विस्तृत इतिहास दिया गया था। मुकदमेबाजी को छिपाने के आरोप पर कोर्ट ने कहा- यह स्पष्ट है कि प्रथम पक्ष (अपीलकर्ता) द्वारा लंबित मुकदमे के संबंध में कोई विशिष्ट बयान नहीं दिया गया है। प्रथम पक्ष का आश्वासन केवल यह था कि जमीन के लेन-देन पर किसी अदालत, आयकर या अन्य सरकारी विभाग का कोई रोक आदेश नहीं है।

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि अपीलकर्ताओं ने अपने इस आश्वासन को पूरा किया कि कोई रोक आदेश अस्तित्व में नहीं था, और समझौते में टाइटल के लिए क्षतिपूर्ति (Indemnity) क्लॉज भी शामिल था।

अमानत में खयानत (Criminal Breach of Trust) पर1 करोड़ की सुरक्षा राशि वापस न करने के संबंध में, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समझौते की धारा 5 में वापसी का प्रावधान नहीं था। इसके बजाय, इस राशि को फ्लैटों की बिक्री से प्राप्त होने वाले अपीलकर्ताओं के हिस्से से समायोजित (Adjust) किया जाना था।

सुरक्षा राशि वापस करने योग्य (Refundable) नहीं है। राशि वापस न करने के आरोप से आपराधिक अपराध नहीं बनता, हालांकि यह सिविल कार्रवाई का आधार हो सकता है।

जालसाजी (Forgery) पर- शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि तहसीलदार (न्यायिक) का एक पत्र फर्जी था क्योंकि वह सरकारी रिकॉर्ड में नहीं मिल रहा था। कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा-जारी होने के कई वर्षों बाद केवल इसलिए कि कोई दस्तावेज रिकॉर्ड में नहीं मिल रहा है, यह नहीं कहा जा सकता कि वह फर्जी है। किसी दस्तावेज को तभी फर्जी माना जाएगा जब आईपीसी की धारा 464 के तहत उसे 'झूठा दस्तावेज' बनाने के सबूत हों।

देरी और प्रक्रिया का दुरुपयोग- कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने में 11 साल की देरी पर गंभीर टिप्पणी की।

यदि समझौते के समय ही अपीलकर्ताओं की मंशा बेईमानी की होती, तो इसकी रिपोर्ट तुरंत की जाती न कि 10 साल बाद। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पक्षों के बीच विवाद विशुद्ध रूप से सिविल प्रकृति का था।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की भी आलोचना की कि उसने एफआईआर और समझौते को ध्यान से नहीं पढ़ा और यह परखने में विफल रहा कि क्या विशुद्ध सिविल कारण को अपराधिक अपराध का जामा पहनाया गया है।

अपील को स्वीकार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और एफआईआर सहित उसके बाद की सभी कार्यवाही को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला-

हमारा यह मानना है कि विवादित एफआईआर केवल एक सिविल कारण का खुलासा करती है, एफआईआर और उससे उत्पन्न सभी कार्यवाहियां इसके द्वारा रद्द की जाती हैं।

केस - वंदना जैन और अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य

केस संख्या- क्रिमिनल अपील संख्या 1127/2026 (एस.एल.पी. (क्रिमिनल) संख्या 6670/2021 से उत्पन्न)

सिविल (दीवानी) प्रकरण वे कानूनी विवाद होते हैं जो निजी अधिकारों संपत्तिया नागरिक दायित्वों से संबंधित होते हैं न कि अपराध से। ये मामले व्यक्तियों संस्थाओं या निगमों के बीच अनुबंध उल्लंघन जमीन-जायदाद पारिवारिक विवादया मुआवजे के लिए होते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य हर्जाना या कानूनी समाधान प्राप्त करना है।

मुख्य सिविल प्रकरण के प्रकार-

संपत्ति और भूमि विवाद- संपत्ति का मालिकाना हक बटवारा कब्जाया बेदखली (Landlord-tenant issues)।

पारिवारिक मामले- तलाक (Divorce) विवाह विच्छेदभरण-पोषण (Alimony/ Maintenance) और बच्चों की कस्टडी।

अनुबंध या संविदा का उल्लंघन (Contract Breach)- व्यापारिक या निजी समझौतों को न मानने पर।

धन वसूली (Money Recovery)- उधार दिए गए पैसे या हर्जाने की वसूली।

अपकृत्य या व्यक्तिगत क्षति (Torts)- मानहानि लापरवाही से चोट या शारीरिक/मानसिक नुकसान।

बौद्धिक संपदा (Intellectual Property)- कॉपीराइट या ट्रेडमार्क का उल्लंघन।

वसीयत और उत्तराधिकार (Probate Issues) - संपत्ति के बंटवारे या वसीयत संबंधी विवाद। फौजदारी (आपराधिक/Criminal) मामले वे हैं जो समाज के विरुद्ध किए गए अपराधों से संबंधित हैं जैसे हत्या, चोरी, मारपीट और डकैती। ये मामले सीधे तौर पर सरकार बनाम अभियुक्त (आरोपी) होते हैं जिनमें जेल या मृत्युदंड जैसी सजा हो सकती है। पुलिस रिपोर्ट (FIR) या मजिस्ट्रेट के पास शिकायत दर्ज कराकर इन मामलों की कार्यवाही शुरू की जाती है।

फौजदारी/आपराधिक प्रकरणों के प्रकार-

व्यक्ति के विरुद्ध अपराध- हत्या, दंगा, मारपीट, अपहरण, बलात्कार।

संपत्ति के विरुद्ध अपराध- चोरी, डकैती, लूट, धोखाधड़ी, आगजनी।

राज्य के विरुद्ध अपराधृ देशद्रोह, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना।

अन्य- श्वेत-पोषण अपराध (White-collar crimes) जैसे गबन वित्तीय घोटाला।

मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद 6 प्रकार के कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फल

सही प्रकार के फल चुनकर और मात्रा को नियंत्रित करके मधुमेह रोगियों के आहार में फलों को शामिल किया जा सकता है। विशेषज्ञ रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद के लिए कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं।

मधुमेह (डायबिटीज मेलिटस - डीएम) एक चयापचय संबंधी विकार है जिसमें लंबे समय तक उच्च रक्त शर्करा बनी रहती है। दवा और शारीरिक व्यायाम के अलावा, पोषण इस बीमारी के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, फलों में मौजूद प्राकृतिक शर्करा (फ्रक्टोज, ग्लूकोज, सुक्रोज) के कारण अक्सर मधुमेह रोगियों को चिंता रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मधुमेह रोगियों को फलों का सेवन पूरी तरह से बंद करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फलों का चयन करना चाहिए और उनका सेवन उचित मात्रा में करना चाहिए।

सामग्री

1. मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी फलों के प्रकार
1.1. सेब (लगभग 36 का जीआईओ) मधुमेह रोगियों के लिए अच्छे होते हैं।
1.2. नाशपाती (जीआई लगभग 38)
1.3. संतरे (जीआई लगभग 40)
1.4. बेरीज (जीआई 25-40)
1.5. चेरी (लगभग जीआई 22)
1.6. अमरूद (जीआई लगभग 31)

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

2. फल खाते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें

ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) यह दर्शाता है कि भोजन करने के बाद रक्त शर्करा का स्तर कितनी जल्दी बढ़ता है। कम जीआई (=55) वाले खाद्य पदार्थ ग्लूकोज को रक्तप्रवाह में धीरे-धीरे प्रवेश करने देते हैं, जिससे रक्त शर्करा में अचानक उतार-चढ़ाव कम होता है। हालांकि, जीआई एकमात्र कारक नहीं है; कुल कार्बोहाइड्रेट सेवन और सर्विंग साइज (ग्लाइसेमिक लोड) भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

पोषण विशेषज्ञ डॉ. आरती मेहरा के अनुसार आमतौर पर फल की एक सर्विंग की सलाह देते हैं जो निम्न के बराबर हो- 1 छोटा फल (लगभग 100-150 ग्राम), या 1 कप (लगभग 150 ग्राम) कटा हुआ फल।

1. मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी फलों के प्रकार

यहां 6 ऐसे कम-जीआई वाले फल दिए गए हैं जिनका सही तरीके से सेवन करने पर मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त हैं-

1.1. सेब (लगभग 36 का जीआईओ) सेब की एक उल्लेखनीय विशेषता इसमें घुलनशील फाइबर, विशेष रूप से पेक्टिन की उच्च मात्रा है।

पेक्टिन निम्नलिखित कार्यों में सहायक होता है-

यह आंतों में चीनी के अवशोषण को धीमा कर देता है।
इंसुलिन प्रतिक्रिया में सुधार करें।
रक्त कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।
सेब फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होते हैं जो हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं - एक ऐसा अंग जो अक्सर मधुमेह से पीड़ित लोगों में प्रभावित होता है।

नोट- मधुमेह रोगियों को फाइबर की अधिकतम मात्रा प्राप्त करने के लिए छिलके (अच्छी तरह से धोकर) का सेवन करना चाहिए, जूस बनाने से बचें क्योंकि इससे फाइबर निकल जाता है, जिससे शर्करा का अवशोषण तेजी से होता है।

1.2. नाशपाती (जीआई लगभग 38)

नाशपाती में पानी और फाइबर की मात्रा अधिक होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) लगभग 38 होता है। इसकी प्राकृतिक मिठास उचित मात्रा में सेवन करने पर रक्त शर्करा में तेजी से वृद्धि किए बिना मीठे की लालसा को कम करने में मदद करती है। नाशपाती में मौजूद फाइबर से पाचन क्रिया को धीमा करें। और भोजन के बाद रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखें।

पाचन में सहायक

सेब की तरह, नाशपाती में भी कई पोषक तत्व छिलके में केंद्रित होते हैं, इसलिए इसे धोने के बाद पूरा फल खाना सबसे अच्छा होता है।

1.3. संतरे (जीआई लगभग 40)

यह फल विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर प्रदान करता है। संतरे में मौजूद फाइबर रक्तप्रवाह में ग्लूकोज के अवशोषण की गति को धीमा करने में मदद करता है। कुछ अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि संतरे में पाए जाने वाले फ्लेवोनोइड्स रक्त वाहिकाओं की एंडोथेलियल कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं - जो हृदय संबंधी जटिलताओं को रोकने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

ध्यान देने योग्य बात- संतरे के रस में फाइबर की कमी के कारण इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) काफी अधिक होता है। इसलिए, मरीजों को रस पीने के बजाय संतरे के पूरे टुकड़े खाने चाहिए। मधुमेह रोगियों को संतरे का रस पीने के बजाय संतरे के पूरे टुकड़े खाने चाहिए।

1.4. बेरीज (जीआई 25-40)

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रसभरी और ब्लैकबेरी जैसी बेरीज का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) 25-40 के बीच होता है, जो इन्हें बहुत कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली श्रेणी में रखता है। इस श्रेणी के प्रमुख लाभों में शामिल हैं-

प्राकृतिक शर्करा की मात्रा कम
फाइबर से भरपूर
पॉलीफेनॉल और एंथोसायनिन से भरपूर
एंथोसायनिन एंटीऑक्सीडेंट यौगिक हैं जो इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकते हैं और निम्न-स्तरीय दीर्घकालिक सूजन को कम कर सकते हैं - जो टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोगों में एक आम समस्या है। कुछ हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि सीमित मात्रा में जामुन का सेवन HbAvc के स्तर को बेहतर बनाने और हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। हालांकि, जामुन को बिना चीनी मिलाए ताजा या जमे हुए रूप में ही खाना चाहिए।

1.5. चेरी (लगभग जीआई 22)

चेरी का 22 ग्लाइसेमिक इंडेक्स जो फलों में सबसे कम में से एक है। ये एंथोसायनिन से भरपूर होती हैं - ये ऐसे यौगिक हैं जो मदद करते हैं-

इंसुलिन की प्रभावशीलता को बढ़ाता है।
रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक।
ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करें...
कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि एंथोसायनिन कार्बोहाइड्रेट और वसा चयापचय में सुधार कर सकते हैं। हालांकि, इसका प्रभाव सेवन की गई मात्रा और समग्र आहार पर निर्भर करता है।

सुझाव- केवल थोड़ी मात्रा में ही खाएं।

1.6. अमरूद (जीआई लगभग 31)।

अमरूद में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, यह विटामिन सी से भरपूर होता है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। अमरूद में मौजूद फाइबर कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को धीमा करने में मदद करता है, जिससे रक्त शर्करा को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने में सहायक होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बिना छिलके वाले अमरूद को खाने से छिलके वाले अमरूद की तुलना में बेहतर चयापचय संबंधी लाभ मिल सकते हैं, क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। हालांकि, मरीजों को अमरूद को अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए और एक बार में बहुत अधिक खाने से बचना चाहिए क्योंकि अमरूद में प्राकृतिक कार्बोहाइड्रेट मौजूद होते हैं।

2. फल खाते समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें

कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने पर भी, मधुमेह रोगियों को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है-

मात्रा पर नियंत्रण रखें- एक बार में अधिक मात्रा में भोजन करने से बचें।
सब्जियों को पूरी तरह से फलों से प्रतिस्थापित न करें।
सूखे मेवे, सिरप में संरक्षित फल और बोतलबंद जूस से बचें क्योंकि इनमें बहुत अधिक मात्रा में अतिरिक्त चीनी होती है।
व्यक्तिगत प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए भोजन के बाद रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी करें।
शर्करा के अवशोषण की दर को धीमा करने के लिए इसे स्वस्थ प्रोटीन या वसा के स्रोत (जैसे सादा दही या मेवे) के साथ मिलाकर सेवन करें।
अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन की सिफारिशों के अनुसार, रोगियों को अपने रक्त शर्करा के स्तर, वजन, शारीरिक गतिविधि और किसी भी सहवर्ती चिकित्सा स्थितियों के आधार पर व्यक्तिगत आहार विकसित करना चाहिए।
सेब, नाशपाती, संतरा, जामुन, चेरी और अमरूद जैसे कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फलों का सही चुनाव और साथ ही मात्रा पर नियंत्रण रखने से आपके आहार में विविधता आ सकती है और रक्त शर्करा का स्तर स्थिर बना रह सकता है। हालांकि, हर शरीर की प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है। मरीजों को नियमित रूप से अपने रक्त शर्करा स्तर की निगरानी करनी चाहिए और अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से परामर्श करके एक उपयुक्त, सुरक्षित और दीर्घकालिक आहार योजना बनानी चाहिए।

यहां लड़के नहीं लड़कियों के नाम से पहचाना जाता है घर

नेम प्लेट पर ग्रेजुएट बहू-बेटियों के नाम!

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

गांव की 30 बहू-बेटियों के पास ग्रेजुएशन या उससे ज्यादा पढ़ाई की डिग्री

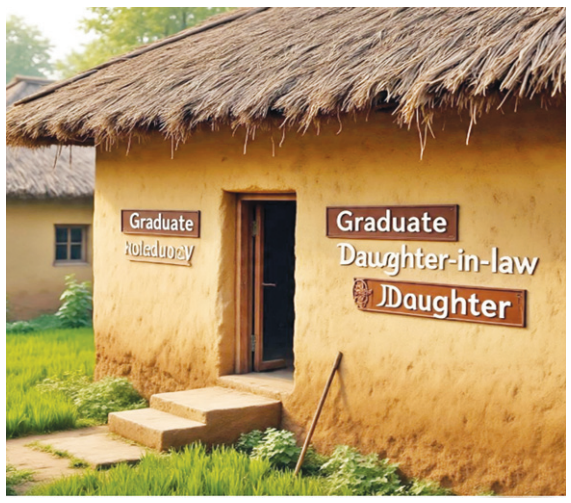

अंबाला (हरियाणा)। कभी बदलाव न तो शोर मचाता है, न घोषणा करता है। वह तो बस चुपचाप दीवारों पर लिख दिया जाता है। जब दीवारें बोलने लगती है, तो समाज की खामोशी टूटने लगती है। ऐसी ही एक सधी हुई, लेकिन दूर तक सुनाई देने वाली दस्तक आई है, हरियाणा के अंबाला जिले के छोटे से गांव खेड़ा गनी से, जहां घरों की पहचान अब सिर्फ पुरुष मुखिया के नाम से नहीं, बल्कि पढ़ी-लिखी बेटियों और बहुओं से हो रही है। यह पहल किसी औपचारिक आदेश का परिणाम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सोच का विस्तार है। यहां के खेड़ा गनी गांव में अनोखी पहल के तहत घरों पर पुरुषों की बजाय पढ़ी-लिखी बेटियों और बहुओं के नाम व उनकी डिग्रियां लिखी नेम प्लेट लगाई जाती हैं। महिला ग्राम सभा से शुरू हुई इस मुहिम में करीब 30 ग्रेजुएट महिलाओं को सम्मान मिला, जिससे लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा और समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश मिला।

सूरज की किरण में चमकती है ये नेमप्लेट

यही वजह है कि खेड़ा गनी की सुबह कुछ अलग होती है। जैसे ही सूरज की पहली किरण गांव की गलियों में उतरती है, घरों के दरवाजों पर लगी स्टील की नेम प्लेट चमक उठती है। इन पर किसी खानदान का नाम नहीं, बल्कि बेटियों की मेहनत और पढ़ाई की पहचान दर्ज है एमए, एमबीए, एमएससी, बीएड और बीकॉम हर प्लेट मानो कह रही हो, कि यह गांव अपनी बेटियों पर गर्व करता है।

कैसे पड़ी इस पहल की नींव

इस पहल की नींव किसी सरकारी आदेश से नहीं, नवंबर 2025 में आयोजित एक महिला ग्राम सभा बैठक में पड़ी। बैठक में एचआईआरडी के निदेशक डॉ. वीरेंद्र चौहान मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग, महिला पुलिस थाना, प्रोटेक्शन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला अधिकारियों ने महिलाओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, कानून, अधिकार, सामाजिक उत्थान और सोलर रूफटॉप सिस्टम जैसे विषयों पर जागरूक किया। गांव के सरपंच परवीन धीमान बताते हैं, चर्चा के दौरान एक विचार ने आकार लिया कि गांव में कितनी बहू-बेटियां पढ़ी-लिखी है, क्यों न इसका सर्वे कराया जाए? न्यूनतम योग्यता ग्रैजुएशन तय की गई।

यूं शुरू हुई अनोखी मुहिम

पंचायत प्रतिनिधियों ने घर-घर जाकर जानकारी जुटाई।

सर्वे पूरा हुआ तो तस्वीर उम्मीद से कही अधिक उजली निकली। करीब 30 बहू-बेटियां ऐसी मिली, जिन्होंने कम से कम ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है। पंचायत ने तय किया कि इन उपलब्धियों को कागजों में नहीं, गांव की दीवारों पर दर्ज किया जाएगा। सभी 30 महिलाओं की नेम प्लेट बनवाई गई और उनके घरों के बाहर लगवा दी गई। पंचायत सदस्य मनोज कुमार, अनिल कुमार, रूबल देवी, नीतू, पूजा और ग्राम सचिव लोकवीर ने इस पहल को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाई। आज गांव की तस्वीर बदल चुकी है। गलियों से गुजरते वक्त हर कुछ कदम पर किसी बेटी की सफलता नजर आती है।

बेटियों का नाम ओढ़ दीवारों ने

पंचायत ने पढ़ी लिखी लड़कियों का डेटा तैयार किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें आगे की पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिल सके। कुछ लड़कियां सिविल सर्विसेज और पोस्ट ग्रैजुएशन की तैयारी में भी जुटी है। छोटा सा गांव, कच्ची-पक्की गलियां और सादगी भरी जिंदगी। लेकिन खेड़ा गनी ने चुपचाप एक बड़ा संदेश दे दिया है।

पढ़ने के लिए मिलेगा हौसला

गांव के सरपंच परवीन धीमान ने कहा जो बेटियां अभी पांचवी क्लास में है और जिन्हें यह भी ठीक से नहीं पता कि पढ़ाई कितनी दूर तक जाती है, वे बड़े भरोसे से कहती है कि हम भी सारी क्लास पढ़ेंगे, पढ़ाई बीच में नहीं छोड़ेंगे, हमें भी अपने नाम की नेम प्लेट चाहिए।

इंदौर के लोग गटक गए 40 करोड़ लीटर शराब...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौरियों का एक बेहद चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जहां इंदौर के लोगों ने 40.81 करोड़ लीटर शराब का सेवन किया है।

शहर में शराब की खपत के ताजा आंकड़े हैरान करने वाले हैं। इस वित्तीय वर्ष में शहर में देसी शराब की 14 करोड़ 54 लाख 30 हजार 309.40 लीटर खपत दर्ज की गई है। वहीं विदेशी शराब ने तो देसी को काफी पीछे छोड़ दिया, 26 करोड़ 27 लाख 78 हजार 226.89 लीटर विदेशी शराब की बिक्री हुई। इसके अलावा बियर की भी 4 करोड़ 63 लाख 10 हजार 125.04 लीटर खपत सामने आई है। इन आंकड़ों से साफ है कि मालवा की आर्थिक राजधानी में शराब पीने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। खास बात यह है कि विदेशी शराब की खपत देसी के मुकाबले लगभग दोगुनी रही। यह बदलती लाइफ स्टाइल, बढ़ती आमदनी और प्रीमियम ब्रांड्स की ओर झुकाव का संकेत माना जा रहा है।

प्रीमियम और मिड-सेगमेंट की बढ़ रही डिमांड

आबकारी विभाग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक शहर में प्रीमियम और मिड-सेगमेंट विदेशी ब्रांड की मांग लगातार बढ़ी है। पहले जहां देसी शराब की बिक्री ज्यादा होती थी, वहीं अब युवाओं और कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करने वाले वर्ग के बीच विदेशी शराब की खपत में बड़ा इजाफा हुआ है। त्योहारों, पार्टियों और वीकेंड कल्चर ने भी इस ट्रेंड को बढ़ावा दिया है। बीयर की 4.63 करोड़ लीटर से ज्यादा खपत यह दर्शाती है कि गर्म मौसम में इसकी मांग स्थिर बनी हुई है। युवाओं के साथ-साथ फैमिली गैदरिंग और आउटडोर आयोजनों में भी बीयर की खपत बढ़ी है।

राजस्व में जबरदस्त बढ़ोत्तरी

इतनी बड़ी मात्रा में हुई बिक्री से आबकारी राजस्व में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। विभाग का दावा है कि सख्ती, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और अवैध बिक्री पर कार्रवाई के कारण लाइसेंसी दुकानों की बिक्री बढ़ी है। हालांकि बढ़ती खपत के साथ सामाजिक और स्वास्थ्य से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं। नशे के दुष्परिणामों को लेकर विशेषज्ञ जागरूकता अभियान की जरूरत बता रहें हैं। कुल मिलाकर आंकड़े बताते हैं कि इंदौर में शराब अब सिर्फ शौक नहीं, बल्कि बड़े आर्थिक कारोबार का हिस्सा बन चुकी है जहां देसी, विदेशी और बीयर तीनों की अपनी-अपनी मजबूत पकड़ है।

इस सप्ताह आपके सितारे

4 मार्च 2026 से 10 मार्च 2026

किसी के रुके कार्य होंगे तो किसी को मिलेगा रुका हुआ पैसा...

मेष - इस सप्ताह अधिक व्यय होने की संभावना है। कारोबार अच्छा चलेगा। भाग्य साथ देगा। मान सम्मान बढ़ेगा। किसी रुके हुए कार्य के होने की संभावना है। शत्रु कुछ कष्ट दे सकते हैं। उदर विकार अल्पाधिक होगा। वाहन से अल्प कष्ट संभव है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

वृषभ - मानसिक तनाव बढ़ेगा। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बेवजह के विवादों से दूर रहें। कार्यों में बाधाएं उत्पन्न होगी। किसी का व्यवहार मन को कष्ट देगा। प्रेम संबंधों के लिए समय प्रतिकूल है। लाभ कम, व्यय अधिक। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। वाहन सुख उत्तम।

मिथुन - व्यय अधिक होगा किंतु उसी अनुरूप लाभ भी होंगे। शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा। प्रेम संबंधों के प्रति सावधान रहें। जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। शत्रु पराजित होंगे। घर परिवार में किसी शुभ कार्य के होने की भी संभावना है।

कर्क - कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। वाहन से अल्पाधीक कष्ट संभव है। शत्रु हावी होने का प्रयास करेंगे किंतु विजय आपकी होगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। संतान पक्ष कुछ परेशान कर सकता है। धनागम में वृद्धि होगी। माता का ध्यान रखें।

सिंह - इस सप्ताह जीवनसाथी की ओर से परम धनात्मकता का अनुभव होगा। प्रेम संबंध भी बहुत अच्छे रहेंगे। स्वयं के शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान पक्ष कुछ पीड़ित करेगा। मित्र सहयोग देंगे। अचानक कोई काम होने से खुशी होगी। वाहन सावधानी से चलावें। विवादों से बचें।

कन्या - इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। आवक अच्छी होगी। कारोबार में उन्नति होगी। शत्रु हावी होने की कोशिश करेंगे। मित्र भी वांछित सहयोग नहीं करेंगे। वाहन सुख उत्तम। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और सहयोग अच्छा रहेगा।

तुला - इस सप्ताह संतान संबंधी किसी चिंता का निवारण होगा। कोई रुका हुआ पैसा भी प्राप्त हो सकता है। किसी से विवाद न करें अन्यथा परेशानी होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध सुधरेंगे। भूमि संबंधी कोई कार्य होगा।

वृश्चिक - इस सप्ताह मानसिक तनाव बहुत रहेंगे। बेवजह के विवादों से भी बचें। भूमि भवन संबंधी कोई कार्य होगा। संतान पक्ष अच्छा रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग अच्छा मिलेगा। कारोबार में कुछ न्यूनतम रहेगी। वाहन सुख उत्तम। यात्रा हो सकती है।

धनु - इस सप्ताह आपके किसी कार्य के संपन्न हो जाने से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों के प्रति सावधान रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। संतान पक्ष कुछ कष्ट दे सकता है किंतु चिंतनीय नहीं। कारोबार अच्छा चलेगा। शत्रु सिर उठा सकते हैं।

मकर - कारोबार अथवा कार्य की दृष्टि से यह सप्ताह अच्छा है। मित्रगण सहयोग करेंगे। जीवनसाथी का व्यवहार और स्वास्थ्य अल्प रूप से ऋणात्मक रहेगा। रोमांस के लिए समय ठीक नहीं। आय अच्छी होगी। वाहन सुख उत्तम है। भूमि संबंधी विवाद खड़ा हो सकता है।

कुंभ - इस सप्ताह आपको अचानक रुका हुआ कुछ पैसा मिल सकता है। जीवनसाथी का सुख एवं सहयोग अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में धनात्मकता दिखाई देगी। भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार अच्छा रहेगा। शत्रु दबेंगे।

मीन- इस सप्ताह आपके परिवार में कुछ अशांति हो सकती है अतः सावधानी रखें। कारोबार में लाभ सीमित होगा। व्यय अधिक होंगे। संतान पक्ष का अच्छा सहयोग मिलेगा। वाहन सावधानी पूर्वक चलावें। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और सहयोग अच्छा रहेगा।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ सूर्य - कुंभ ■ चंद्र- वृषभ से सिंह ■ मंगल- कुंभ
■ बुध - कुंभ वक्री ■ गुरु ■ मिथुन वक्री ■ शुक्र - कुंभ दो से मीन में
■ शनि - मीन ■ राहु - कुंभ ■ केतु - सिंह

अमित शाह के साथ बैठक से प्रदेश में हलचल...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने समय मांगा था। शुक्रवार को शाह के ऑफिस से दोनों मंत्रियों को मुलाकात के लिए समय मिला। इसके बाद दोनों ने दिल्ली आकर शाह से मुलाकात की। इसके पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी शाह से मुलाकात की। इस घटनाक्रम से प्रदेश में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है।

प्रदेश का सियासी माहौल गरमाया हुआ है। भाजपा के भीतर बढ़ती सक्रियता और अलग अलग स्तर पर हो रही मुलाकातों ने राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को तेज कर दिया है। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मिले। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल उनके साथ मौजूद रहे। इस बैठक को राज्य के निगम मंडलों में लंबे अर्से से अटकी पड़ी नियुक्तियों से जोड़कर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री की बैठक के तुरंत बाद प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अमित शाह से अलग मुलाकात ने राजनीतिक सरगर्मियां और बढ़ा दीं। विधानसभा में उनके हालिया बयान पहले ही चर्चा में हैं और कई मुद्दों पर उनका रुख सरकार को परेशान करने वाला नजर आया है। इसके बाद विजयवर्गीय के करीबी और मोहन सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल की अमित शाह से मुलाकात ने सियासी अटकलें और बढ़ा दीं। लगातार हो रही इन बैठकों को सत्ता संतुलन और संगठनात्मक फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए समय मांगा था। उन्हें शनिवार दोपहर मुलाकात का समय मिला, जिसके बाद दोनों नेताओं ने शुक्रवार शाम दिल्ली आने का कार्यक्रम बनाया। शनिवार सुबह दोनों नेता दोपहर 12 बजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पहुंचे। तीनों नेताओं की यह मुलाकात करीब आधे घंटे चली। इसके बाद दोनों नेता भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मिलने पहुंचे, जो बैठक भी लगभग आधा घंटा चली। इस दौरान प्रदेश से राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल होने वाले नेताओं के नामों और एमपी के संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई है।

इसके बाद दोनों नेता मुख्यमंत्री के दिल्ली स्थित निवास पहुंचे, जहां उनकी राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश के साथ भोजन के दौरान करीब एक घंटे चर्चा हुई। शाम छह बजे मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भाजपा के विस्तार भवन में संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मिलने पहुंचे। यह मुलाकात भी करीब एक घंटे चली। इसके बाद दोनों नेता राजधानी भोपाल के लिए रवाना हो गए। सूत्रों का कहना है, इन बैठकों के दौरान प्रदेश में संगठनात्मक बदलाव और आने वाले समय में संभावित नियुक्तियों पर विस्तार से चर्चा की गई। राजनीतिक नियुक्तियों की सूची इसी हफ्ते घोषित हो सकती है। पहली सूची में आदिवासी और दलित वर्ग के वरिष्ठ नेताओं को मंत्री का दर्जा मिलने की संभावना जताई जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, केंद्रीय गृह, सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट कर भोपाल में यूनियन कार्बाइड की भूमि पर गैस काण्ड स्मारक निर्माण के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्हें उज्जैन में विक्रमोत्सव के भव्य आयोजन की जानकारी दी और नक्सल मुक्त होने के बाद बालाघाट में आयोजित बैगा महोत्सव में सादर आमंत्रित किया।

सीएम के बाद गृह मंत्री से मिले विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की मुलाकात के ठीक बाद प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय गृहमंत्री से मिलने उनके आवास पहुंचे। यह मुलाकात भी करीब आधे घंटे चली। सूत्रों का कहना है, विजयवर्गीय शुक्रवार को इंदौर में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। तभी उन्हें गृहमंत्री शाह के कार्यालय से फोन आया। उन्हें शनिवार सुबह दिल्ली आने के लिए कहा गया। इसके बाद वे रात की फ्लाइट से ही दिल्ली रवाना हो गए। शाह से मुलाकात के बाद उन्होंने ने सोशल मीडिया पर लिखा, केंद्रीय गृहमंत्री से मध्य प्रदेश की प्रगति, विभिन्न समसामयिक विषय और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इसके पहले भागीरथपुरा कांड के दौरान भी मंत्री विजयवर्गीय को अचानक दिल्ली बुलाया गया था। उस समय उनके विवादित बयान को लेकर मीडिया में बवाल मचा था। इसके बाद उन्हें सलाह दी गई कि वे मीडिया से दूरी बनाकर रखें। तब से वे मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं और केवल महत्वपूर्ण मुद्दों पर ही बयान देते हैं। विजयवर्गीय के बाद प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल अमित शाह से मिलने उनके आवास पहुंचे। इससे पहले उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मुलाकात की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री से सौजन्य भेंट हुई। इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, निराहार रहकर सतत चौथी नर्मदा करनेवाले पूज्य दादा गुरु का डीआरडीओ द्वारा उनका वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह किया गया एवं स्वराधीश भारत बालवल्ली द्वारा आयोजित बलिदानी वीरनारी कार्यक्रम के संबंध में आग्रह किया गया।

फिर बेईमान हो गया इंदौर सहित पूरे प्रदेश का मौसम

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मार्च की शुरुआत के साथ ही मध्य प्रदेश में गर्मी ने जोर पकड़ लिया है। कई शहरों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि खरगोन में पारा 35.2°C दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक और बढ़ सकता है। प्रदेश में मार्च ने आते ही तेवर दिखा दिए हैं। महीने के पहले ही दिन प्रदेश के कई शहरों में तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि निमाड़ क्षेत्र के खरगोन में पारा 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी तेज धूप ने लोगों को गर्मी का अहसास करा दिया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अप्रैल और मई सबसे ज्यादा तपिश भरे रहेंगे। ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में पारा 45 डिग्री के पार जा सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग भी भीषण गर्मी की चपेट में रहेंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की और बढ़ोतरी हो सकती है। यानी मार्च की शुरुआत ही तपिश भरी रहने वाली है। दिन के साथ रात का तापमान भी धीरे-धीरे ऊपर जाएगा। रविवार को पचमढ़ी को छोड़ प्रदेश के लगभग सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। धार, गुना, खंडवा, श्योपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, सतना और सिवनी जैसे जिलों में पारा 33 डिग्री से ऊपर पहुंच गया।

रात भी हो गई गर्म

फरवरी के आखिर और मार्च की शुरुआत में रात का तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। जबलपुर में न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री और सतना में 18.2 डिग्री दर्ज किया गया। धार, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सागर, टीकमगढ़ और उमरिया समेत कई शहरों में रात का पारा 17 डिग्री से अधिक रहा।

रंगपंचमी पर बदल सकता है मौसम

गर्मी के बीच राहत की भी उम्मीद है। 4 मार्च से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय हो रहे नए वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर दो दिन बाद मध्य प्रदेश में देखने को मिल सकता है। इसके चलते रंगपंचमी के आसपास कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। यदि सिस्टम सक्रिय रहता है तो तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव भी हो सकता है।

एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल की सुगबुगाहट

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा होली का त्यौहार हो जाने के बाद प्रदेश में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल किए जाने की चर्चा चल रही है। वैसे तो यह चर्चा पिछले एक महीने से चल रही है लेकिन अब इस पर बादल का वक्त करीब आ गया है। इस फेरबदल में कई जिलों के कलेक्टर बदल दिए जाएंगे।

प्रदेश में एसआईआर की कवायद पूरी होने के बाद अब जनगणना शुरू होनी है। इसको देखते प्रदेश सरकार जिलों में नए सिरे से अधिकारियों की तैनाती करना चाह रही है। कुछ जिलों में कलेक्टरों का कार्यकाल दो साल से अधिक हो चुका है। साथ ही कुछ जगह अधिकारियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर हटाने की चर्चा है। इससे पहले एसआईआर और विधानसभा सत्र के चलते अधिकारियों के तबादला को लेकर सरकार निर्णय नहीं ले रही थी, लेकिन अब सरकार इसे प्राथमिकता देते हुए जल्द ही जारी कर सकती है। चर्चा है कि इस माह के दूसरे सप्ताह में सरकार तबादला सूची जारी कर सकती है।

चर्चा के अनुसार, भोपाल, ग्वालियर, धार और शहडोल समेत कई जिलों के कलेक्टर इस फेरबदल की जद में हो सकते हैं। 2010 बैच के आईएएस अधिकारी और भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सेक्रेटरी रैंक में आ गए हैं, उनको मंत्रालय में पदस्थ किया जा सकता है। वहीं, 2011 बैच की आईएएस और ग्वालियर कलेक्टर रूचिका चौहान अगले साल सेक्रेटरी रैंक में आ जाएंगी। इसके अलावा कई कलेक्टर अपने कार्यकाल का दो साल पूरा कर चुके हैं। साथ ही कुछ को उनके परफार्मेंस के आधार पर दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा सकता है।

उनके तबादले की संभावना

जानकारी के अनुसार धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, शहडोल कलेक्टर केदार सिंह, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, झाबुआ कलेक्टर नेहा मीना, शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र चौधरी, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल सिंह और नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना को इधर से उधर किया जा सकता है। वहीं, मोहन सरकार लंबे समय से जमे अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से मिली शिकायतों के सत्यापन के बाद अधिकारियों को हटा कर उनकी जगह युवा और नए अधिकारियों को जिलों की कमान सौंप सकती है।

बजरबट्टू सम्मेलन मुश्किल में

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय नहीं हो रहे शामिल, महापौर भी गेर में नहीं जाएंगे

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में होने वाला बजरबट्टू सम्मेलन मुश्किल में है। वहीं महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी महापौर निवास पर होली का आयोजन नहीं कर रहे। गेर में भी शामिल नहीं होंगे।

इंदौर में रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर हर साल हास्य कवि सम्मेलन बजरबट्टू का आयोजन होता है। इस साल यह आयोजन 7 मार्च को तय था, इसके पोस्टर भी लग गए थे। इसका सबसे प्रमुख आकर्षण होता है हर साल कैलाश विजयवर्गीय इसमें अलग रूप धरकर आते हैं। वह चाणक्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पॉप स्टार, चाचा चौधरी जैसे कई रूप धर चुके हैं। यह उनका नया गेटअप गोपनीय होता है और पहले से ही इसका किरदार बताने वाले को ईनाम तक दिया जाता है। आयोजक अशोक चौहान उर्फ चांदू साफ कहते हैं कि यह आयोजन कैलाशजी के कारण ही शुरु किया गया और यदि वह नहीं तो फिर आयोजन नहीं।

कैलाश विजयवर्गीय तैयार नहीं

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार भागीरथपुरा कांड को देखते हुए मंत्री विजयवर्गीय इसमें कोई रूप धरने के लिए तैयार नहीं हैं। इस बार आयोजकों से उन्होंने यह भी कहा कि अब किसी अन्य को इसमें लिया जाए और मैं कोई इसमें नया चेहरा दे देता हूं। माना जाता है कि इसमें वह अपने पुत्र आकाश विजयवर्गीय को यह जिम्मेदारी देना चाहते थे। लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी है। ऐसे में इस बार यह आयोजन खटाई में पड़ गया है। हालांकि औपचारिक तौर पर आयोजकों ने अब तक इसे निरस्त करने की घोषणा नहीं की है।

महापौर ने भी लिया यह बड़ा फैसला

वहीं, भागीरथपुरा कांड को देखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस बार अपने निवास पर होने वाली होली मिलन कार्यक्रम निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने द सूत्र को बताया कि इस बार वह रंगपमंचमी की गेर में भी शामिल नहीं होंगे। हालांकि गेर में जो पारंपरिक तौर पर निगम की टीम और वाहन शामिल होते हैं, वह शामिल रहेंगे। महापौर ने कहा कि भागीरथपुरा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण वह खुद इसमें शामिल नहीं होंगे।

भागीरथपुरा में 80 फीसदी नई लाइन डली

महापौर ने भागीरथपुरा मे पानी सप्लाई की स्थिति पर कहा कि वहां 30 फीसदी हिस्से में नर्मदा जल सप्लाई शुरु कर चुके हैं। बाकी 55 फीसदी में नई लाइन डलने का काम हो चुका है। बाकी 20 फीसदी हिस्से में लाइन बदलने का काम हो रहा है। यह पूरा होने पर बाकी 70 फीसदी हिस्से में भी टेस्टिंग के बाद पानी सप्लाई कर सकेंगे। जहां लाइन नहीं डली वहां टैंकर से पानी दे रहे हैं। साथ ही पानी सैंपल की लगातार जांच की जा रही है ताकि पानी की शुद्धता से कोई समझौता नहीं हो सके। महापौर ने कहा कि इस बार प्रयास कर शहर में 20 एमएलडी पानी अतिरिक्त सप्लाई हो सकेगी, इससे स्थिति बेहतर होगी।

चैंबर कांड में दो की जान जाने पर जांच के आदेश

इसके लिए अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं। चैंबर की सफाई वाली घटना में दो कर्मचारियों कि मौत पर महापौर ने कहा कि वह सफाई के लिए नहीं उतरे थे, इसके लिए साफ मनाही है। पाइप का टुकड़ा चैंबर में गिरा था, उसे निकालने के लिए वह उतरे, जिसमें उनकी जान गई। ड्रेनेज, चैंबर की सफाई के लिए किसी भी कर्मचारी को अंदर नहीं उतरना है इसके साफ आदेश हैं। इसके बाद भी उन्हें अंदर जाने के किसने आदेश दिए इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं, सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत दोनों मृतकों के परिजन को 30-30 लाख रुपए के मुआवजा के आदेश हुए हैं।

विधानसभा में भी उठा था बजरबट्टू का जिक्र

बजट सत्र के दौरान मध्य प्रदेश विधासनभा में भी बजरबट्टू का जिक्र हुआ था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक भंवर सिंह शेखावत के बीच में भागीरथपुरा मामले को लेकर हल्की बहस हुई थी। इसी दौरान स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि बजरबट्टू भी इंदौर में होता है। जिस पर शेखावत ने कहा था कि हां लेकिन इसमें कैलाशजी ही अलग-अलग रूप धरते हैं और किसी अन्य को मौका ही नहीं देते हैं।

प्राइवेट पार्टनरशिप से बिल्डिंग बनवाएगा IDA

प्राधिकरण द्वारा बनाई गई बिल्डिंग का फ्लैट बेचने में आती है दिक्कत

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा अब प्राइवेट बिल्डर के साथ पार्टनरशिप करके बिल्डिंग तैयार करवाने का काम किया जाएगा। अभी तक प्राधिकरण के द्वारा जो बिल्डिंग बनाई जाती है उसके फ्लैट बेचने में प्राधिकरण को बहुत दिक्कत आती है। इस समस्या का समाधान करते हुए निजी क्षेत्र के बिल्डर को इस काम में सहभागी बनाया जा रहा है।

इंदौर विकास प्राधिकरण अब पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर अफोर्डेबल हाउसिंग योजना ला रहा है। इसके तहत प्रायवेट बिल्डर की मदद से बिल्डिंग बनाई जाएगी और फिर उसमें फ्लैट बेचे जाएंगे। आईडीए ने पहले स्कीम नंबर 136 में बिल्डिंग बनाकर फ्लैट बेचे और अब वहीं पर लग्जरी फ्लैट्स की बिल्डिंग भी बनाई जा रही है। साथ ही आईडीए की 8 टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीपीएस) स्कीम आ रही है, जिसमें करीब एक साल बाद 5 हजार से ज्यादा प्लॉट्स बेचे जाएंगे। अभी यहां करोड़ों खर्च कर विकास कार्य किए जा रहे हैं और अपने घर की आस में लोग इस स्कीम का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा 3 अन्य स्कीमों को भी लाने की तैयारी है।

अनुमति मिलते ही बिल्डिंग बनेंगी

आईडीए की स्कीम 136 की बिल्डिंग में कई फ्लैट अब तक बिक नहीं पाए हैं। इसे ध्यान में रख अब पीपीपी मॉडल पर काम की तैयारी है। आईडीए के पास स्कीम 136 के साथ स्कीम 134, 155 व सुपर कॉरिडोर पर कई बड़े प्लॉट हैं। आईडीए ने खुद पैसा लगाकर प्लॉट्स पर बिल्डिंग बनाने के बजाए पीपीपी मॉडल पर बिल्डिंग बनाने की तैयारी की है। पीपीपी मॉडल पर काम करने के लिए आईडीए ने भोपाल से अनुमति मांगी है। मंजूरी मिलने के बाद प्रायवेट एजेंसी, बिल्डर की मदद से फ्लैट्स बनाकर बेचे जाएंगे। अनुमति मिलती है तो सुपर कॉरिडोर पर कई बिल्डिंग बनेगी और इससे वहां तेजी से बसाहट भी होगी। आईडीए ने स्टार्टअप पार्क के साथ ही प्रदेश के सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर भी बनाने की योजना बनाई है। यह दोनों काम भी पीपीपी मॉडल पर रहेगा। इस कन्वेंशन सेंटर की डिजाइन तय हो गई है। इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएगा ताकि एजेंसी का चयन कर काम शुरू किया जा सके।

'राइजिंग इंदौर' हिंदी साप्ताहिक इंदौर (म.प्र.) के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा पत्र-4

(नियम - 3 देखिए)

1. प्रकाशन स्थल	:	401-402 डीएम टॉवर, 21/1 रेसकोर्स रोड, जंजीरवाला चौराहे के पास इंदौर (म.प्र.)
2. प्रकाशन की अवधि	:	साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	:	गौरव गुप्ता
क्या भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	80-डी, स्कीम नंबर 51, इंदौर (म.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम	:	गौरव गुप्ता
क्या भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	80-डी, स्कीम नंबर 51, इंदौर (म.प्र.)
5. संपादक का नाम	:	गौरव गुप्ता
क्या भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	80-डी, स्कीम नंबर 51, इंदौर (म.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व	:	अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया
पते जो समाचार-पत्र के	:	सर्विसेस प्रा.लि.
स्वामी हों तथा जो समस्त	:	401-402 डीएम टॉवर, 21/1
पूंजी के एक प्रतिशत से	:	रेसकोर्स रोड, जंजीरवाला चौराहे
अधिक के साझेदार या	:	के पास इंदौर (म.प्र.)
हिस्सेदार हों	:	

मैं **गौरव गुप्ता** मुद्रक, प्रकाशक एतद द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सही एवं सत्य है।

स्थान : इंदौर (म.प्र.)
दिनांक 01 मार्च, 2026

हस्ताक्षर
(गौरव गुप्ता)
प्रकाशक

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एक, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- गौरव गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जारोटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।